(ix) कार्लमार्क्स के सिद्धान्त का क्या नाम है?

(x) 'अबे सुन बे गुलाब' किस प्रसिद्ध कवि की पंक्ति है?

♦♦♦

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION - 2024
MASTER OF ARTS IN HINDI
(PREVIOUS YEAR)
PAPER I - ADHUNIK HINDI KAVYA

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. ....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नांकित में से किन्हीं तीन गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **3x10=30**

(अ) करुणे, क्यों रोती है? उतर में और अधिक तू रोई।
मेरी विभूति है जो, उसको 'भव–भूति' क्यों कहे कोई?
अवध को अपनाकर त्याग से,
बन तपोवन–सा प्रभु ने किया।
भरत ने उनके अनुराग से,
भवन में वन का व्रत ले लिया।।

(ब) शैल निर्झर न बना हतभाग्य
गल नहीं सका जो कि हिम–खण्ड,
दौड़ कर मिला न जलनिधि–अंक
आह वैसा ही हूँ पाषंड।
पहेली–सा जीवन है व्यस्त
उसे सुलझाने का अभिमान
बताता है विस्मृति का मार्ग,
चल रहा हूँ बनकर अनजान।

(स) निज सहज रूप में संयत हो जानकी–प्राण
बोले– 'आया न समझ में यह दैवी विधान,
रावण, अधर्मरत भी, अपना मैं हुआ अपर–
यह रहा शक्ति का खेल समर, शंकर, शंकर।
करता में योजित बार–बार शर–निकर निशित
हो सकती जिनसे यह संसृति सम्पूर्ण विश्रित,
जो तेज पुंज सृष्टि की रक्षा का विचार
है जिसमें निहितपतनघातक संस्कृति अपार–
शत–शुद्धि बोद्ध–सूक्ष्मातिसूक्ष्म मन का विवेक,
जिनमें है क्षात्रधर्म का धृत पूर्णाभिषेक,
जो हुए प्रजापतियों से संयम से रक्षित,
वे शर हो गए आज रण में, श्रीहत खण्डित।

(द) पर उस स्पन्दित सन्नाटे में
मौन प्रियवंद साध रहा था वीणा–
नहीं, स्वयं अपने को शोध रहा था।
सघन निविड में वह अपने को
सौंप रहा था उसी किरीट–तरू को।
कौन प्रियवदं है कि दम्भकर
इस अभिमंत्रित कारुवाद्य के सम्मुख आवे?

प्र. 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (आलोचनात्मक प्रश्न) **2x10=20**

(अ) 'कुरुक्षेत्र में राष्ट्रीय भावना' को उदाहरण सहित समझाइए।

अथवा

'राम की शक्ति पूजा' का काव्य सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

(ब) 'कामायनी' प्रसाद की प्रतिनिधि रचना है, सिद्ध कीजिए।

अथवा

'नई कविता' के क्षेत्र में शमशेर बहादुर सिंह के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

प्र. 3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए–(लघूत्तरात्मक प्रश्न) **3 x 5=15**

(i) उद्धव शतक का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।
(ii) ऋषभ के चरित्र की दो प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।
(iii) आधुनिक काल की साहित्यिक परिस्थिति का उल्लेख कीजिए।
(iv) छायावाद के प्रमुख कवियों एवं उनकी रचनाओं के नाम लिखिए।
(v) 'द्विवेदी युग' के नामकरण का औचित्य सिद्ध कीजिए।

प्र. 4. निम्नांकित दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (अतिलघूत्तरी प्रश्न) **10 x ½= 05**

(i) 'साठोतरी कविता' के प्रवर्तक का नाम लिखिए।
(ii) युयुत्सावादी कविता के प्रणेता कौन हैं?
(iii) प्रगतिवाद का आरम्भ कब से माना जाता है?
(iv) भारतेन्दु किस उपनाम से कविताएँ लिखते थे?
(v) खड़ी बोली कविता का आरम्भकर्ता किसे माना जाता है?
(vi) मैथिलीशरण गुप्त की सर्वाधिक लोकप्रिय रचना कौनसी है?
(vii) इतिवृतात्मकता का क्या अर्थ है?
(viii) 'भारतीय प्रगतिशील लेखक संघ' की स्थापना कब और कहाँ हुई?

(xii) भवभूति ने उर्मिला का अंकन कैसे किया है?

(xiii) पुराने जमाने में होली उत्सव कब से प्रारम्भ होता था?

(xiv) लज्जा के क्या अनुभाव हैं?

(xv) भारतीय साहित्य की एकता से क्या आशय है?

♦♦♦

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION - 2024

MASTER OF ARTS IN HINDI

(PREVIOUS YEAR)

PAPER II - GADHYA SAHITYA

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. ....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नांकित में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– **3x8=24**

(i) स्त्री पुरुष से उतनी ही श्रेष्ठ है, जितना प्रकाश अंधेरे से। मनुष्य के लिए क्षमा, त्याग और अहिंसा जीवन के उच्चतम आदर्श हैं, नारी इस आर्दश को प्राप्त कर चुकी है। पुरुष धर्म और अध्यात्म और ऋषियों का आश्रय लेकर उस लक्ष्य पर पहुँचने के लिए सदियों से जोर मार रहा है, पर सफल नहीं हो सका, मैं कहता हूँ उसका सारा अध्यात्म और योग एक तरफ और नारियों का त्याग एक तरफ।

(ii) अपना भाग्य खुद बनाना होगा, अपनी बुद्धि और साहस से इन आफतों पर विजय पाना होगा। कोई देवता, कोई गुप्त शक्ति उनकी मदद करने न आयेगी और उसमें गहरी संवेदना सजग हो उठी है। अब उसमें पहले की उद्दंडता और गुरूर नहीं है। वह नम्र और उद्योग शील हो गया है। जिस दशा में पड़े हो, उसे स्वार्थ और लोभ के वश होकर और क्यों बिगाड़ते हो? दुःख ने तुम्हें एक सूत्र में बांध दिया

है। बन्धुत्व के इस दैवी बन्धन को क्यों अपने तुच्छ स्वार्थों से तोड़ डालते हो? उस बन्धन को एकता का बन्धन बना लो इस तरह के भावों ने उसकी मानवता को पंख से लगा दिये हैं।

(iii) माँ आज के क्षण मैं कभी नहीं भूल सकती। सौन्दर्य का ऐसा साक्षात्कार मैंने कभी नहीं किया। जैसे वह सौन्दर्य अस्पृश्य होते हुए भी मांसल हो। मैं उसे छू सकती थी, पी सकती थी, देख सकती थी। तभी मुझे अनुभव हुआ कि वह क्या है, जो भावना को कविता का रूप देता है। मैं जीवन में पहली बार समझ पायी कि क्यों कोई पर्वत–शिखरों को सहलाती मेघ–मालाओं में खो जाता है, क्यों किसी को अपने तन–मन की अपेक्षा आकाश में बनते–मिटते चित्रों का इतना मोह रहता है। क्या बात है माँ? इस तरह चुप क्यों हो?

(iv) जिसे संसार दुःख कहता है, वही कवि के लिए सुख है। धन और ऐश्वर्य, रूप और बल, विद्या और बुद्धि, ये विभूतियाँ संसार को चाहे कितना ही मोहित कर ले, कवि के लिए यहाँ जरा भी आकर्षण नहीं है। उसके मोह और आकर्षण की वस्तु तो बुझी हुई आशाएं और मिटी हुई स्मृतियाँ और टूटे हुए हृदय के आँसू है। जिस दिन इन विभूतियों में उसका प्रेम न रहेगा, उस दिन वह कवि न रहेगा। दर्शन जीवन के इन रहस्यों से केवल विनोद करता है, कवि उनमें लय हो जाता है।

प्र. 2. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **2x10= 20**

(i) गोदान में ग्रामीण तथा नगरीय जीवन का निरूपण दर्शाइये।

(ii) आषाढ़ का एक दिन नाटक की तात्विक समीक्षा कीजिए।

(iii) बाण भट्ट की आत्म कथा की भाषा शैली सम्बन्धी विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

प्र. 3. लघूत्तरात्मक प्रश्न (कोई चार) **4x4=16**

(i) ललित निबन्ध की विशेषताएँ बताइये।

(ii) पुरस्कार कहानी के शीर्षक के औचित्य को स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'उसने कहा था' के नायक लहना सिंह का चरित्र चित्रण कीजिए।

(iv) गोदान में किसान के शोषण की गहराई चित्रित कीजिए।

(v) 'गुल की बन्नो कहानी' स्वाभिमानी भारतीय नारी की करुणा गाथा है। स्पष्ट कीजिए।

प्र. 4. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न (कोई दस) **10x1=10**

(i) होरी की पत्नी का नाम क्या था?

(ii) मुंशी प्रेमचन्द रचित दो उपन्यासों के नाम लिखिए।

(iii) जय शंकर प्रसाद द्वारा रचित नाटक का नाम लिखिए।

(iv) मौर्य वंश का पहला शासक कौन था?

(v) मोहन राकेश द्वारा रचित दो प्रमुख नाटकों के नाम लिखिए।

(vi) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का जन्म किस सन् में हुआ था?

(vii) बाणभट्ट की आत्मकथा किस लेखक की रचना है?

(viii) प्रमुख रूप से निबन्ध कितने प्रकार का होता है?

(ix) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी का जन्म कहाँ हुआ था?

(x) राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त किसे अपना गुरु मानते थे?

(xi) आदि कवि की उपाधि किसे दी गयी है?

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION - 2024
MASTER OF ARTS IN HINDI
(PREVIOUS YEAR)
PAPER III - KAVYASHASTRA EVAM SAHITIYALOCHAN

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. ....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक सामने अंकित हैं।

प्र. 1. रीति के प्रमुख भेदों का वर्णन कीजिए। 10

अथवा

काव्य गुण क्या है? विभिन्न काव्य गुणों का वर्णन कीजिये।

प्र. 2. प्लेटो के काव्य सिद्धान्त की समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

एलियट के निर्वैयक्तिकता सिद्धान्त को समझाइये।

प्र. 3. केशवदास के काव्यशास्त्रीय चिंतन का मूल्यांकन कीजिए। 10

अथवा

चिंतामणी के काव्यशास्त्रीय चिंतन पर विचार व्यक्त कीजिए।

प्र. 4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की व्यावहारिक समीक्षा कीजिए– **10**

'बतरस लालच लाल की मुरली धरी लुकाय।
सौंह करै भौंहनि हँसे, देन कहे नट जाय।
कहत नटत रीझत खिझत, मिलत खिलत लजियात।
भरे भौंन में करत हैं, नैत्रनि ही सो बात।'

अथवा

'वह तोड़ती पत्थर
देखा मैंने उसे इलाहाबाद के पथ पर
वह तोड़ती पत्थर
नहीं छायादार
पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार
श्याम तन, भर बँधा यौवन
नत नयन, प्रिय कर्म रत मन
गुरु हथौड़ा हाथ
करती बार–बार प्रहार
सामने तरु मालिका अट्टालिका प्राकार'।

प्र. 5. निम्नांकित प्रश्नों में से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिये– **5 x 4 = 20**

(i) अनुभाव क्या हैं? उन्हें कितने भागों में विभक्त किया जाता है?

(ii) 'सहृदय' किसे कहते हैं?

(iii) अलंकार विभाजन के प्रमुख तीन आधारों का विवेचन कीजिए।

(iv) 'रीति' और 'शैली' में कौन से मुख्य अन्तर हैं?

(v) औचित्य क्या है? आनन्दवर्धन द्वारा विवेचित औचित्य प्रकारों के नाम लिखिए।

(vi) अरस्तू ने त्रासदी की आत्मा किसे कहा और क्यों?

(vii) उदात्त के अवरोधक दोष कौन–कौन से हैं?

(viii) फ्रायड के अनुसार मन के तीन स्तर कौन–कौन से हैं?

प्र. 6. निम्नांकित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **10 x 1 = 10**

(i) नाट्यशास्त्र के रचनाकार का नाम लिखिए।

(ii) रौद्र रस का स्थायी भाव क्या है?

(iii) वक्रोक्ति संप्रदाय के प्रवर्तक कौन हैं?

(iv) 'ध्वनि सिद्धान्त' व्याकरण ग्रंथों के किस सिद्धान्त पर आधारित है?

(v) प्लेटो के गुरु कौन थे?

(vi) अरस्तू प्रवर्तित सिद्धान्त का नाम लिखिए।

(vii) मैथ्यू अर्नाल्ड किस युग के आलोचक हैं?

(viii) अस्तित्ववाद के अनुसार मनुष्य की सबसे बड़ी पीड़ा क्या है?

(ix) भिखारीदास की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(x) आलोचना क्या है?

♦♦♦

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION - 2024
MASTER OF ARTS IN HINDI
(PREVIOUS YEAR)
PAPER IV - HINDI SAHITYA KA ITIHAS

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. ....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नांकित सभी प्रश्नों के उत्तर एक–एक वाक्य में दीजिए। **10 X 1 = 10**

(i) आदिकाल का सिद्ध–सामन्त–काल नामकरण किस विद्वान द्वारा किया गया?

(ii) हिन्दी साहित्य की इतिहास लेखन परम्परा में ठाकुर शिवसिंह सेंगर द्वारा संकलित इतिहास ग्रन्थ का नाम लिखिए।

(iii) आदिकाल में वर्णित किन्हीं दो रासो ग्रन्थों के नाम लिखिए।

(iv) किस जैन कवि द्वारा राम एवं सीता के जीवन पर आधारित 'पउमचरिउ' नामक उच्च कोटी का काव्य लिखा गया?

(v) भक्तिकालीन दार्शनिक पृष्ठभूमि में 'द्वैतवाद' मत के संस्थापक आचार्य का नाम लिखिए।

(vi) कृष्ण भक्ति काव्यधारा में अष्टछाप की स्थापना किसके द्वारा की गयी?

(vii) सूफी प्रेमाख्यानकों की परम्परा में 'चन्दायन' प्रेमाख्यान के रचनाकार का नाम लिखिए।

(viii) रीतिकाल में 'काव्य निर्णय' नामक प्रसिद्ध ग्रन्थ के सृजन का श्रेय किस सर्वांग निरूपक आचार्य को जाता है?

(ix) भारतेन्दु युगीन पत्रकारिता में प्रतापनारायण मिश्र द्वारा निकाले गये प्रसिद्ध मासिक पत्र का नाम लिखिए।

(x) छायावादी कविता का एकमात्र महाकाव्य किस कृति को माना जाता है?

प्र. 2. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **5 x 4 = 20**

(i) आदिकालीन रासो साहित्य पर प्रकाश डालिए।

(ii) सिद्धों व नाथों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(iii) कृष्ण भक्ति शाखा के सन्दर्भ में 'अष्टछाप' पर प्रकाश डालिए।

(iv) रीतिबद्ध एवं रीति मुक्त काव्यधारा में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(v) हिन्दी उपन्यास विद्या में दलित चेतना को स्पष्ट कीजिए।

(vi) ''आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना'' पर टिप्पणी कीजिए।

(vii) हिन्दी की गद्य विद्या 'रेखाचित्र' विद्या पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये।

प्र. 3. निम्नांकित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर (250 शब्दों में) दीजिए। **4 x 10 = 40**

(i) भक्ति आन्दोलन के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए भक्ति आन्दोलन के उदय की व्याख्या कीजिए।

(ii) निर्गुण भक्ति को स्पष्ट करते हुए संत काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

(iii) हिन्दी निबंध विद्या की विकास यात्रा को व्याख्यायित कीजिए।

(iv) रीतिकालीन काव्य के आधार पर एक निबंध लिखिए।

(v) भारतेन्दु युग का परिचय देते हुए भारतेन्दु युगीन काव्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

(vi) आदिकालीन विभिन्न साहित्य परम्पराओं पर प्रकाश डालिए।

♦♦♦

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION - 2024
MASTER OF ARTS IN HINDI
(PREVIOUS YEAR)
PAPER V - JAIN SANSKRITI EVAM JEEVAN MULYA

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. ....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Note : Attempt all questions.

प्र.1. लघूत्तरात्मक प्रश्न / Short answer type questi on. 11 x 1 = 11

(i) 'जैन' को परिभाषित कीजिए।
Write the definition of Jain.

(ii) दिगम्बर से क्या तात्पर्य है?
What do you mean by Digamber?

(iii) द्रव्य के प्रकार लिखिए।
Write the types of Substance.

(iv) व्रत किसे कहते हैं?
What is Vrat?

(v) अणुव्रत की परिभाषा लिखिए।
Write the definition of Small Vow.

(vi) सम्यग्दर्शन की परिभाषा लिखिए।
Write the definition of Samyagdarshana.

(vii) ध्यान किसे कहते हैं?
What is Meditation.

(viii) आनन्द केन्द्र कहाँ पर होता है?
Where is Anand Kendra situated?

(ix) मूल्य किसे कहते हैं?
What is Value?

(x) संस्कृति से क्या तात्पर्य है?
What do you mean by Culture?

(xi) अहिंसा क्या है?
What is Non-violence?

प्र. 2.किन्हीं पांच पर टिप्पणी लिखिए–
Write Short note on Any Five of the following- 5 x 4 = 20

(i) काल चक्र / Time Circle

(ii) जैन धर्म के सम्प्रदाय / Schools of Jain Religion

(iii) जीवन मूल्य / Values of Life

(iv) जैन दर्शन और विज्ञान / Jain Philosophy and Science

(v) अणुव्रत आन्दोलन / Anuvrat Movement

(vi) तनाव प्रबन्धन / Stress Management

(vii) स्वास्थ्य प्रबन्धन / Health Menagement

प्र. 3.निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखें। **3 x 13= 39**
Answer any three of the following questions in detail.

(i) जैन संस्कृति की विशेषताएँ लिखिए।
Write the characterstics of Jain Culture.

(ii) लोकवाद को स्पष्ट कीजिए।
Explain the Cosmology.

(iii) जैन दर्शन और मनोविज्ञान के सम्बन्ध को स्पष्ट कीजिए।
Explain the relation of Jain Philosophy and Psychology.

(iv) अहिंसा एवं शाकाहार पर निबन्ध लिखिए।
Write an essay on Non-violence and Vegetarianism.

(v) वर्तमान संदर्भ में जैन जीवन शैली की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए।
Explain the application of Jain way of life in present senerio.

♦♦♦